गुरु पूर्णिमा | गुरू पूर्णिमा पर शहर के धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक कार्यक्रम आयोजित, मठों में दिखी धूम

ईश्वरीय भाव में गुरूओं का पूजन-अर्चन कर मांगा आशीर्वाद, लाखों सिर गुरु चरणों में झुके

नवभारत,जबलपुर। हिंदू मान्यताओं के अनुसार गुरू को ईश्वर बताया गया है। यही कारण था कि शहर में बुधवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर लाखों सिर अपने दिशा दर्शक, मार्गदर्शक और पथ प्रदर्शक गुरु चरणों में आशीर्वाद लेते हुए नजर आए। शहर के धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक और तकनीकी संस्थानों में गुरुओं का पूजन-अर्चन ईश्वरीय भाव में किया गया। मंदिरों-मठों व नर्मदा घाटों में सुबह से ही भारी भीड़ रही। सुबह से ही गुरु भक्ति और गुरु चरणों में नमन करने के लिए लोगों का आश्रमों में लोगों का आना शुरू हो गया था। इस दौरान कई शिष्यों के समूह ने अपने गुरूओं के घर जाकर भी आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर शिष्यों के हाथों में फूल-माला, प्रसादी और दक्षिणा थी। गुरू पूर्णिमा पर गुरु को वस्त्र, श्रीफल आदि भी अर्पित किए गए।

शहर के आश्रमों में उमड़ी भीड़

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार सुबह से ही बगलामुखी मठ, गीता धाम आश्रम, नरसिंहधाम, प्रेमाआश्रम, कालीमठ, भटोली ग्राम, ओखर बाबा आश्रम, साकेत धाम, समन्वय सेवा केंद्र, ब्रम्हाकुमारी आश्रम, आदिवासी आश्रम, निरंकारी भवन, हनुमान ताल स्थित नन्हें जैन मंदिर सहित अनेक धार्मिक व शैक्षणिक संस्थानों में गुरु के प्रति आस्था के साथ उनका पूजन-अर्चन कर शिष्यों ने आर्शीवाद लिया। इस दौरान भारी तादाद में शिष्यों की भीड़ नजर आई।

गुरु संस्कार, चरित्र और जीवन मूल्यों का मार्गदर्शन करते हैं : मिश्रा

गुरु संस्कार, चरित्र और जीवन मूल्यों का मार्गदर्शन करते हैं, गुरु ही वह प्रकाश हैं जो हमारे जीवन से अज्ञान के अंधकार को पूरी तरह दूर कर देते हैं, ये बातें मुख्य अतिथि अमरीश मिश्रा, नेता प्रतिपक्ष, नगर निगम ने कहीं। मौका था महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन में आयोजित गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। इस दौरान दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि अमरीश मिश्रा महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन के प्राचार्य नीलेश कुमार पांडे, महर्षि किड्स होम की प्राचार्या आनामिका भट्टाचार्य तथा महर्षि विद्या मंदिर, नेपियर टाउन के प्रशासनिक अधिकारी राहुल कुमार जैन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य नीलेश कुमार पांडे ने भी अपने उद्बोधन में गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से सभी का हृदय जीत लिया। ग्रुप सॉन्ग, सोलो सॉन्ग, ग्रुप डांस एवं सोलो डांस जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया।

विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचे श्रद्धालु

गुरु पूर्णिमा पर जबलपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों और आश्रमों में गुरु पूजन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। नरसिंह मंदिर में हजारों श्रद्धालु जगद्गुरु नरसिंह देव महाराज के पूजन अर्चन के लिए पहुँचे, जबकि जगदंबा कॉलोनी में वासुदेव शास्त्री के निवास पर उनके शिष्यों ने गुरु पूजन और अभिषेक किया। ग्वारीघाट स्थित पारंबा धाम आश्रम में बाल गोविंद शास्त्री के शिष्यों और भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चन की गई। भटौली स्थित काली धाम में प्यार नंद सरस्वती महाराज के पूजन अर्चन के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुटी। इसके साथ ही, ग्वारीघाट स्थित गिलहरी घाट के प्रेमानंद आश्रम में भक्तों ने गुरु श्याम दास महाराज का पूजन अर्चन किया और ग्वारीघाट रामलला मंदिर में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शिष्यों द्वारा पूजन अर्चन करने के बाद गुरु ने शिष्यों को गुरु दक्षिणा दी।

इनका कहना है

मै हर वर्ष गुरु पूर्णिमा पर कालीमठ आता हूं और हमारे परिवार की कई पीढ़ियां गुरु पूर्णिमा पर कालीमठ आश्रम आती रही हैं। यहां आकर गुरुजी से आशीर्वाद लेकर मन को काफी शांति मिलती है ।

सुभेश सिंह राजपूत

हमारे परिवार में गुरु पूर्णिमा पर कालीमठ आश्रम आने की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। इस दिन गुरु का आशीर्वाद लेना हमारे परिवार के लिए आस्था के साथ-साथ संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। गुरुजी के आशीर्वाद मिलने से घर में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है।

राजमती सिंह

गुरुपूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुए लोक निर्माण मंत्री

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह माँ नर्मदा के पावन तट गौरीघाट स्थित सिद्धासन बाबाश्री के धाम में आयोजित गुरूपूर्णिमा महोत्सव में शामिल हुए। इस मौके पर मंत्री राकेश सिंह ने श्रीनिर्विकार पथ के प्रणेता बाबाश्री के श्रीचरणों का पूजन-अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पपश्चार गौरीघाट पहुंचकर मां नर्मदा का भी पूजन-अर्चन किया। कार्यक्रम में जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा महामंत्री पंकज दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डी डी धाम संकट मोचन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में आयोजन

डी डी धाम संकट मोचन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर मानेगांव रांझी गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। वहां मंदिर भागवताचार्य पंडित धीरज कृष्ण शास्त्री द्वारा भक्तों को गुरु दीक्षा दी गई एवं भक्तों द्वारा हनुमान जी एवं भागवतचार्य धीरज कृष्ण शास्त्री का चरण पादुका पूजन किया। इस दौरान मंदिर परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी संपन्न किया गया। इस अवसर पर मंदिर संस्थापक समाज से सुधीर सोनू दुबे ,आर आर पांडे एवं मंदिर समिति की महिला मंडल अध्यक्ष सुधा दुबे, प्रीति शुक्ला एवं सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे । आयोजन में प्रसाद का भी वितरण किया गया।

शासकीय होम साइंस कॉलेज में सांदीपनि गुरु पर्व मनाया गया

शासकीय मोहनलाल हरगोविंददास गृहविज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय, जबलपुर में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व' का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. प्रियव्रत शुक्ल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा जीवन को संस्कारित करने वाली चेतना है, जो व्यक्ति को राष्ट्र एवं समाज निर्माण के योग्य बनाती है। सारस्वत अतिथि डॉ. चिंतामणि शुक्ल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. एम. के. मालवीय ने महर्षि सांदीपनि की शिक्षा पद्धति को आज भी प्रासंगिक बताते हुए भारतीय ज्ञान में विज्ञान, दर्शन और आध्यात्मिकता के समन्वय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ल एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. साधना केसरवानी ने की। प्रभारी डॉ. पंकज साहू के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पूजा जैन एवं तकनीकी सहयोग डॉ. अर्जुन शुक्ला ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुधीर चंदेल, डॉ. रामनरेश साकेत एवं अमृता जाधव का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉ. अनुराधा दवे, डॉ. भावना शर्मा, डॉ. अनीता कौशल, डॉ. कमलजीत भटिया, डॉ. राजकुमार गौतम सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।

रादुविवि में गुरु पूर्णिमा पर हुआ प्राध्यापकों का सम्मान

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विज्ञान भवन में आयोजित गरिमामयी गुरु पूर्णिमा सम्मान समारोह में भारतीय संस्कृति और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है और गुरु ही व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार देकर सही मार्ग दिखाता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व कुलगुरु प्रो. एस. पी. गौतम ने भगवान श्रीकृष्ण और महर्षि सांदीपनी आश्रम के ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के वरिष्ठ एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान देने वाले प्राध्यापकों का शॉल, श्रीफल एवं फूलमालाओं से सम्मान किया गया। सम्मानित होने वाले और उपस्थित प्रमुख जनों में शहडोल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर, पूर्व कुलगुरु प्रो. प्रियव्रत शुक्ल, प्रो. अलका नायक, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. मृदुला सिंह, प्रो. जे. के. मैत्रा, प्रो. एमएल केवट, प्रो. एमएल साहू, प्रो. ए. के. गिल, डॉ. शोभाराम मेहरा, डॉ. भंडारी एवं कार्यक्रम संचालक डॉ. अश्विनी जायसवाल शामिल रहे। इस अवसर पर सभी शिक्षण विभागों के अतिथि शिक्षकों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त की गई और अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा द्वारा किया गया।

कालीमठ आश्रम में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मदनमहल स्थित श्री सिद्ध शक्तिपीठ मां निराकार कालीमठ आश्रम में बुधवार को धार्मिक आस्था और भक्ति के वातावरण में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। सुबह 6 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां काली का षोडशोपचार विधि से महाभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन संपन्न हुआ। इस दौरान आश्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर मां काली के दर्शन किए और पूजा-अर्चना में सहभागिता की। वहीं महाभिषेक के उपरांत दोपहर में कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद महाराज का पारंपरिक विधि-विधान से पादुका पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु का तिलक, पुष्प एवं माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान भजन-कीर्तन और जयघोष से आश्रम परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। इस अवसर पर महंत चंद्रशेखरानंद महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार और जीवन की सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से गुरु के बताए आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया और पूरे आयोजन का वातावरण श्रद्धा एवं गुरु-भक्ति से सराबोर रहा।

कचनार योग क्लब में उमंग के साथ मनाया गया गुरुपूर्णिमा महोत्सव

कचनार योग क्लब जबलपुर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। मंच संचालक अमित तिवारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। योगाचार्य कमलेश चड़ार एवं योगाचार्य सुंदरलाल गुप्ता को श्रद्धा और सम्मान के साथ तिलक लगाकर पुष्पाहार से उनका अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात योग साधिका अंजू अरोरा ने गुरु वंदना प्रस्तुत की। तदोपरान्त योग साधक यशवंत सिंह, रवींद्र चौकसे, चिंतामणि ठगेले, मुकेश खरे एवं किरण विश्वकर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त योग साधकों के साथ-साथ कचनार क्लब के मालिक गौरव सेठी, योग साधक बसंत अग्रवाल, एस के नेमा एवं अखिलेश सिंह का विशेष योगदान रहा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुओं के प्रति व्यक्त किया आभार

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर शास्त्री नगर में भव्य आयोजन किया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, गुरु पूजन और वंदन के माध्यम से अपने गुरुओं के प्रति आभार और सत्कार व्यक्त किया। इस दौरान एकल गायन और सामूहिक गायन की प्रस्तुतियां भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में अंजना चौधरी अपनी बात कहते हुए इस पारंपरिक पर्व की महत्ता समझाई। चौधरी ने बताया कि पुरातन काल से ही गुरू का महत्व क्यों अहम् है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि बिना गुरू के ज्ञान अधूरा है शायद इसीलिए पूर्ण ज्ञान के उद्देश्यों को लेकर गुरू पूर्णिमा के दिन का आयोजन शुरू किया। इस अवसर पर शाला के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

हरे कृष्णा आश्रम में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

हरे कृष्णा आश्रम, भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज का गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा चतुरमास विश्राम की बेला में चार माह के लिए विश्राम पर रही। संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा के सानिध्य में आषाढ़ पूर्णिमा पर संगमरमर वादियों के बीच नर्मदा स्वर्ण कलश, भगवान राधा कृष्ण, लड्डू गोपाल और तुलसी मैया की एक साथ संकीर्तन करते हुए 108 परिक्रमा की गई। इस दौरान सभी भक्तों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया एवं नर्मदा स्वच्छ रहे इसकी कामना की। इस धार्मिक अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल, परिक्रमा संरक्षक सुषमा शंकर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल, विनोद दीवान, मनोज गुलाबबानी, दुर्गा पटेल, शिव कुमार पटेल और कैलाश विश्वकर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सम्प्रेक्षण गृह में गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का सम्मान

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को सम्प्रेक्षण गृह, जबलपुर में श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था में रह रहे विधि विवादित किशोरों को शिक्षण एवं प्रशिक्षण देने वाले गुरुजनों का सम्मान पेन, डायरी एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किशोर न्याय बोर्ड, जबलपुर के यशवेंद्र ठगेले एवं माया पाण्डे रहे। इस अवसर पर अनुज श्रीवास्तव, विनोद सिंह, सत्यनारायण द्विवेदी, विपिन शुक्ला, घनश्याम यादव, अधीक्षक शैलेष श्रीवास्तव, अरुण बड़ौलिया, हमीद खान, अनुज शर्मा तथा सचिन मेहरा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विधि विवादित किशोरों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षा, संस्कार और अनुशासन के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन पर अधीक्षक शैलेष श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, गुरुजनों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

जगतगुरु राघव देवाचार्य महाराज के चरणों का किया गया पूजन

संपूर्ण ब्राह्मण मंच द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जगतगुरु राघव देवाचार्य महाराज के चरण पद का पूजन शॉल, श्रीफल, पट्टिका मिष्ठान द्रव्य दक्षिणा के साथ किया गया। इस दौरान जगतगुरु राघव देवाचार्य ने कहा कि 'जीवन के हर उतार-चढ़ाव में गुरु की आवश्यकता, प्रेरणा और मार्गदर्शक होती है। सर्वश्रेष्ठ गुरु आत्म बल प्रदान करता है और जीवन की कठिनाइयों को सरल और सहज बनाता है। गुरु सृष्टि के एकमात्र मार्गदर्शक हैं। शिष्य वही जो गुरु की परिकल्पना को संसार में स्थापित कर गुरु परंपरा का निर्वहन करे। गुरु की महिमा का वर्णन अनेक प्रसंगों को संक्षिप्त में बताया गया। सनातन संस्कृति और गुरु परंपरा एक दूसरे के पूरक हैं। गुरु के बिना शिष्य और शिष्य के बिना गुरु की परिकल्पना करना संभव नहीं है।' कार्यक्रम में धनंजय बाजपेई, यदुवंश मिश्रा, रावेंद्र तिवारी, डॉ. अरुण मिश्रा, मिथिलेश तिवारी और अरुण तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने भी महाराज से आशीर्वाद लिया।

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक में मनाया गया गुरू पर्व

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व, नैतिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. नीलम अग्रवाल ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार और जीवन मूल्यों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, अतिथि व्याख्याता, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। आयोजन का समन्वय डॉ. मोना जायसवाल ने किया एवं संचालन डॉ. रश्मि चौरसिया ने किया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने गुरु वंदना, गीत, नृत्य और गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया।

माता गुजरी कॉलेज में सेवानिवृत्त गुरुजनों का सम्मान

माता गुजरी महिला महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर समस्त सेवानिवृत्त गुरुजनों का वृंदा एवं श्रीफल से विशेष सम्मान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पाहवा एवं प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान डॉ. संध्या जैन श्रुति (राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त शिक्षक) प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान सौम्या वर्मा को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में महाविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा 201 रुपए की नगद राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन हिंदी की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पूनम शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रत्ना वर्मा नोडल अधिकारी भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सपना शर्मा, डॉ. सपना श्रीवास्तव, डॉ. जयश्री जैन, डॉ. मीता श्रीवास्तव, डॉ. महेंद्र जैन का योगदान महत्वपूर्ण रहा एवं सभी संकाय के छात्रों की उपस्थिति सराहनीय रही।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में धूमधाम से मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ मंगेली जबलपुर मध्य प्रदेश में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ आश्रम प्रभारी जगभान खरे द्वारा गुरुपूजन दीप प्रज्वलन कर सामूहिक भावातीत ध्यान साधना के साथ किया गया। गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में आये हुये मुख्य अतिथियों का शॉल, श्रीफल पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण आश्रम प्रभारी जगभान खरे द्वारा स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि त्रिशूल आश्रम के ज्ञानानंद महाराज द्वारा गुरु महिमा के विषय में प्रकाश डाला एवं महर्षि आश्रम प्रभारी जगभान खरे द्वारा वैदिक गुरु परम्परा के आधार पर पूज्य आध्यात्मिक वैज्ञानिक संत पूज्य महर्षि महेश योगी द्वारा चलाये जा रहे विश्व स्तरीय कार्यक्रमों के बारे में विस्तार रूप से अवगत कराया गया। संतोष शर्मा द्वारा भावातीत ध्यान के विषय में प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य रामजी पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में व्यवस्थापक संतोष, धर्मेन्द्र वसंत निगम समाजसेवी बंटी भसीन एवं दुर्गा पटेल, रामगोपाल पटेल, समस्त वैदिक पंडित एवं भूतपूर्व सरपंच कमला पटेल उपस्थित रहे।

कार्यशाला | मेडिकल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

फेफड़ों से सम्बंधित उपचार और आधुनिक तकनीक की दी जानकारी

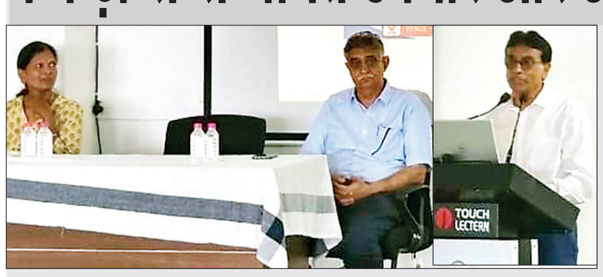

नवभारत,जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के स्कूल ऑफ एक्सीलेंस इन पल्मोनरी मेडिसिन और बायोकेमिस्ट्री विभाग की ओर से बुधवार को ऑटोइम्यून डिसऑर्डर्स इन पल्मोनरी मेडिसिन क्लीनिकल इनसाइट्स एंड एडवांसेज इन डायग्नोसिस विषय पर एक दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम और हैंड्स.ऑन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों और पीजी विद्यार्थियों को फेफड़ों से जुड़े ऑटोइम्यून रोगों के नवीनतम निदान ,उपचार और आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देना था। इसमें करीब 100 चिकित्सक और रेजिडेंट डॉक्टर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएमई कार्यक्रम चिकित्सकों के ज्ञान और कौशल को लगातार अपडेट रखने का प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजन मरीजों को बेहतर और साक्ष्य.आधारित उपचार उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इनकी रही अहम भूमिका

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका भाट्कुलकर ने किया। आयोजन समिति में बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ रुचि खरे, पल्मोनरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र आर्य, डॉ प्रियंका भाट्कुलकर, डॉ आकृति गुप्ता, डॉ शुभम मिश्रा और डॉ आकाश गजेन्द्र की अहम भूमिका रही।

इन विषयों पर दी गई जानकारी

सीएमई सत्र में विशेषज्ञों ने ऑटोइम्यून फेफ ड़ों के रोग इंटरस्टिशियल लंग डिजीज, आधुनिक इम्यूनोलॉजिकल जांचों और नई उपचार पद्धतियों पर विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही हैंड्स.ऑन वर्कशॉप भी आयोजित की गई। इस दौरान एंटी न्यूक्लियर एंटीबॉडी इंडायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही दूसरे चरण में ब्रोंकोस्कोपी और एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण कराया गया।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक 30 को

नवभारत,जबलपुर। जिला निर्वाचन कार्यालय स्थानीय निर्वाचन ने गुरूवार 30 जुलाई को सुबह 11 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से गठित स्टेडिंग कमेटी की बैठक बुलाई है। बैठक में नगर पालिकाओं एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची तैयार करने के राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम की जानकारी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को दी जायेगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन ने स्टेडिंग कमेटी में शामिल मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

हैन्डलूम एक्स्पो 2026 : गोलबाजार में सजी 'सिल्क इंडिया' प्रदर्शनी

नवभारत, जबलपुर। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट मैदान, गोलबाजार में रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक और आधुनिक सिल्क व कॉटन उत्पादों की विशेष प्रदर्शनी 'सिल्क इंडिया' लगी हुई है। आगामी 20 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में सुबह 11 बजे से रात 9:00 बजे तक कुल 80 स्टॉल्स पर असली कॉटन व सिल्क साड़ियाँ, ड्रेस मटेरियल, सूट्स, कुर्ता, स्टोल्स और कुर्तियों की सीधी बिक्री की जा रही है। इस प्रदर्शनी से बुनकरों को ग्राहकों से प्रत्यक्ष रूप से बिक्री के कारण अधिक लाभ मिलेगा और ग्राहकों को भी असली उत्पाद उचित दामों में मिलेंगे।

फैशन ज्वेलरी भी है उपलब्ध

कपड़ों के साथ-साथ इस प्रदर्शनी में फैशन ज्वेलरी तथा अन्य कई वस्तुएं भी उपलब्ध हैं, जिन पर कुछ प्रतिशत तक छूट भी मिल सकती है। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश की गडवाल व मंगलगिरी, तमिलनाडु की कांजीवरम, मध्य प्रदेश की माहेश्वरी व चंदेरी, उत्तर प्रदेश की बनारसी व लखनवी चिकनवर्क, छत्तीसगढ़ की कोसा सिल्क, गुजरात की पटोला व बांधनी, कर्नाटक की बंगलोर सिल्क तथा जम्मू-कश्मीर की मशहूर एम्ब्रॉयडरी से सजी साड़ियाँ आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। आयोजकों ने नगर वासियों से इस सुनहरे मौके का लाभ उठाते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन कर खरीदारी करने की अपील की है।